

सारे जहाँ के मालिक तेरा ही आसरा है लिरिक्स



सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है,
राजी है हम उसी में,
जिसमे तेरी रजा है,
सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है।

हम क्या बताएं तुमको,
सब कुछ तुम्हे खबर है,
हर हाल में हमारी,
तेरी तरफ नजर है,
किस्मत है ये हमारी,
जो तेरा फैसला है,
सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है।

हाथों को हम दुआ की,
खातिर में लाएं कैसे,
सजदे में तेरे आकर,
सर को झुकाएं कैसे,
मजबूरियां हमारी,
बस तू ही जानता है,
सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है।

रोकर कटे या हसकर,
कटती है जिंदगानी,
तू गम दे या खुशी दे,
सब तेरी मेहरबानी,
तेरी खुशी समझकर,
सब गम भुला दिया है,
सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है।



सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है,
राजी है हम उसी में,
जिसमे तेरी रजा है,
सारे जहाँ के मालिक,
तेरा ही आसरा है।

स्वर – पूज्य राजन जी महाराज ।
